GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE

2020 - 2021

CLASS - 12th A, B, C, D

HINDI LITERATURE

WORKSHEET NO - 4

निर्देश :- अभिभावकों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे ये सुनिश्चित करें कि छात्रा दो दिनों तक सम्बन्धित विषयवस्तु एवं पाठ का अध्ययन करें पत्पश्चात् दिए गए प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दें।

नोट :- पाठ्य पुस्तक - गद्य संकलन, आषाढ़ का एक दिन, काव्य मंजरी

Q.1 अधोलिखित गंद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

पाठ - भक्तिन - महादेवी वर्मा

" बुद्धि की मंदता पर टीका-टिप्पणी करने का अधिकार पा गई।"

(i) उक्त कथन किसके लिए कहा गया है ? उनका परिचय दीजिए।

(ii) भक्तिन अपना नाम लोगों से क्यों छुपाती थी ?

(iii) भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया था ?

(iv) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई ?

Q.2 पाठ-भक्तिन - महादेवी वर्मा

" भक्तिन और मेरे बीच में सेवक - स्वामी का सम्बन्ध है, यह कहना कठिन है।"

(i) भक्तिन और लेखिका के बीच सेवक - स्वामी का सम्बन्ध कहना कठिन क्यों है ?

(ii) भक्तिन की वेश - भूषा देखकर लेखिका को क्यों शंका हुई ?

(iii) छात्रावास में छात्राएँ कब इकट्ठी हो जाती हैं ?

(iv) भक्तन किससे परिचित है ? उन लोगों से भक्तन का व्यवहार कैसा है ?

Q3 आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश

'मेरे भोगे होने की चिन्ता मत करो। जानती हो, इस तरह भोगना भी जीवन की महत्त्वाकांक्षा हो सकती है। वर्षों के बाद भोगा हूँ। अभी सूखना नहीं चाहता'।

(i) उपर्युक्त कथन किसने, किससे और कब कहे ?
(ii) "भोगना भी जीवन की महत्त्वाकांक्षा हो सकती है।" का अर्थ समझाइए।
(iii) भोगने वाला वर्षों के बाद भोगा है का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए बताइए कि ऐसा क्यों हुआ है।
(iv) भोगने वाले की मनोदशा का वर्णन करते हुए उसके चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q4 आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

'विलोम का चरित्र मोहन राकेश की एक अनुपम नाटकीय चरित्र-सृष्टि है' कथन के आधार पर विलोम की चारित्रिक-विशेषताएँ लिखिए।

Q5 मोहन राकेश द्वारा लिखित 'आषाढ़ का एक दिन' नाट्य लेखन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

Q6 भक्तन - महादेवी वर्मा

'कर्मठ व्यक्ति भी भाग्य के हाथों छला जाता है।' 'भक्तन' कहानी के आधार पर सिद्ध कीजिए।